षोडश

बिहार विधान-सभा

तृतीय सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-2

मंगलवार, तिथि 11 श्रावण, 1938 (श0)
2 अगस्त, 2016 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या 05

(1) शिक्षा विभाग	.. ..	05
	कुल योग —	05

व्याख्याता परीक्षा आयोजन करना

1. श्री विजय कुमार सिन्हा--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 11 जुलाई, 2016 को प्रकाशित समाचार 'नेट की हिन्दी समझने के लिये अंग्रेजी आना जरूरी' शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य स्तर पर प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति हेतु शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाता है, किन्तु महाविद्यालयों में व्याख्याता की नियुक्ति हेतु राज्य स्तर पर व्याख्याता पात्रता परीक्षा का आयोजन न कर केन्द्रीय स्तर के नेट परीक्षा से छात्रों का चयन किया जाता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि केन्द्रीय स्तर के नेट परीक्षा के हिन्दी माध्यम के प्रश्न पत्र अप्रचलित एवं कठिन हिन्दी शब्दों में होता है जिसे समझने हेतु छात्रों को अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है एवं प्रश्नों के विसंगति में अंग्रेजी वाला प्रश्न ही मान्य होता है जिससे बिहार के छात्रों को परीक्षा में कठिनाई होती है तथा इनके सफलता का प्रतिशत भी कम होता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्यस्तरीय व्याख्याता परीक्षा आयोजन का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

वितरण करना

2. श्री तारकिशोर प्रसाद--दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 26 अप्रैल, 2016 को प्रकाशित शीर्षक 'बिना किताब पढ़ रहे एक करोड़ बच्चे' के आलोक में क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में लगभग दो करोड़ बच्चे नामांकित हैं एवं एक करोड़ बच्चों को किताब नहीं मिल पाई है जिससे एक करोड़ बच्चों का पठन-पाठन प्रभावित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त बच्चों के बीच अविलम्ब पुस्तक वितरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

रिक्त पदों को भरना

3. श्री श्याम रजक--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 4 मार्च, 2016 को प्रकाशित शीर्षक 'कॉलेज शिक्षकों के 60 प्रतिशत पद खाली, माँगी रिपोर्ट' की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के पटना विश्वविद्यालय में 427, मगध विश्वविद्यालय में 1725, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में 1043, तिलका माँझी विश्वविद्यालय में 764, जय प्रकाश विश्वविद्यालय में 469, बाबा साहेब भीम राव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय में 1047, बी0 एन0 मण्डल विश्वविद्यालय में 795 एवं वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय में 548 शिक्षकों का पद रिक्त है, जिससे कॉलेजों में पठन-पाठन में काफी कठिनाई हो रही है ;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार राज्य के विश्वविद्यालयों में सुचारू रूप से पढ़ाई कराने हेतु रिक्त शिक्षकों के पदों को भरने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक ?